वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 10 | मंगलवार 9 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में 15 दिन में 23 लाख 65 हजार से ज्यादा मुख्यमंत्री महंगाई राहत गारंटी कार्ड का हुआ वितरण

अब तक 6 लाख 3 हजार से ज्यादा परिवारों को मिली महंगाई से राहत

जयपुर. शाबाश इंडिया

आमजन को महंगाई से राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर राजस्थान सरकार द्वारा आयाजित महंगाई राहत कैंप को जनता का जबरदस्त रेस्पॉन्स मिल रहा है। महज 15 दिनों में जयपुर जिले में 6 लाख 3 हजार 225 परिवारों को सरकार की 10 बड़ी योजनाओं के 23 लाख 65 हजार से ज्यादा गारंटी कार्ड जारी किये जा चुके हैं।

अब तक 23 लाख से ज्यादा मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड हुए जारी

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि महंगाई राहत कैंप 24 अप्रैल को शुरू हुए थे जिसके बाद अब तक कुल 23 लाख 65 हजार 185 गारंटी कार्ड जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 3 लाख 61 हजार 936, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 4 लाख 73 हजार 240, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 4 लाख 73 हजार 240, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 35 हजार 397, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 4 लाख 15 हजार 956 लाभार्थियों को गारंटी कार्ड जारी हुए हैं। वहीं, महंगाई राहत कैंप में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 1 लाख 24 हजार 838, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 1 लाख 91 हजार 425, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 1 लाख 92 हजार 895, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 75 हजार 934, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 20 हजार 323 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

सोमवार को वितरित किये गए 1 लाख 97 हजार से ज्यादा गारंटी कार्ड

उन्होंने बताया कि गुरुवार को 50 हजार 987 परिवारों को कुल 1 लाख 97 हजार 717 मुख्यमंत्री महंगाई राहत गारंटी कार्ड जारी किये गए। जिसमें से मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 28 हजार 914, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 38 हजार 89, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 38 हजार 89, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 3 हजार 115, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 34 हजार 626, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 9 हजार 407, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 21 हजार 258, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 15 हजार 876, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 7 हजार 377, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 965 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

पहलवानों के समर्थन में आप ने निकला पैदल मार्च

पालीवाल बोले- दुष्कर्म के आरोपी सांसद को बचा रही केंद्र सरकार

जयपुर. कासं

दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दे रही महिला पहलवानों के समर्थन में जयपुर में आम आदमी पार्टी की और से शहीद स्मारक से अल्बर्ट हॉल तक पैदल मार्च निकाल गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि जंतर-मंतर पर बेटियां इंसाफ की आस में धरने पर बैठी हैं लेकिन केंद्र की मोदी सरकार आखे मूंद बैठी है। अब तक इस पुरे मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे सरकार की असलियत अब जनता भी जान गई है। ऐसे में अब बेटियों के समर्थन में अब धीरे-धीरे पूरा देश एकजुट हो रहा है। जिसका नुक्सान केंद्र की मोदी सरकार को उठाना पड़ेगा। पालीवाल ने कहा कि बेटी बचाओ का नारा देने वाली सरकार अपनी कुंभकरणीय नींद से जागने को तैयार नहीं है। इससे ये जाहिर होता है कि भाजपा अपने नेता को बचाने के लिए पुलिस को मोहरा बना रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार बृजभषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी। तो आम आदमी पार्टी पहलवानों के पक्ष में देशभर में बड़ा आंदोलन करेगी। पालीवाल ने कहा कि बीजेपी अपने जिस नेता को बचाने की कोशिश कर रही है। उसका विवादों से पुराना नाता रहा है। 2019 में सीबीआई ने बृजभूषण के खिलाफ करप्शन का केस रजिस्टर किया था। जो अभी भी चल रहा है। आखिर ऐसे विवादित छवि वाले नेता पर बीजेपी कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है जो बीजेपी और केंद्र सरकार को बृजभूषण शरण सिंह पर कार्रवाई करने से रोक रही है। वहीं पैदल मार्च में प्रदेश अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ सीपी राव, उपाध्यक्ष राजवीर मायल, खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष डॉ शारदा चौधरी समेत बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्त्ता और नेता मौजूद रहे।

Shri Mahaveer Digamber Jain Shiksha Parishad

Cordially invites you to the

Bhoomi Poojan

for the School Building of

Shri Padmawati Jain Girls Senior Secondary School

The program details are as follows -

Day & Date : Wednesday, 10th May, 2023

Time : 09:00 a.m.

Venue : Indra Path, Near Community Centre, Sector-12, Mansarovar, Jaipur

Your benign presence is solicited.

Umrao Mal Sanghi
President

Sunil Bakhshi
Secretary

Mahesh Kala
Treasurer

All Office Bearers & Executive Members of Shiksha Parishad.

सोशल मीडिया में 'फेक न्यूज' एक विकट समस्या समाज के लिए

हम सभी को तो पता है की लोग आज के समय में फेमस होने के लिए क्या क्या-कर देते हैं और वे लोग इसका नतीजा नहीं जानते हैं की इसके बाद क्या होगा।

शाबाश इंडिया

जगह-जगह दंगा फसाद की जड़ फेंक न्यूज के कारण ही होते हैं। फेक न्यूज के फैलने से देश में और समाज में अशांति का माहौल हो जाता है लोग डरे और सहमे से होते है उन्हें पता नहीं चलता की क्या होने वाला है...

समाज में जितने भी दंगे, हुडदंग या फिर भय का माहौल होता है उन सभी का कारण फेक न्यूज ही होता है। जिसके खिलाफ इस तरह की खबरे फैलाई जाती हैं उनकी छवि भी खराब होती है इससे लोग सिर्फ फेक न्यूज पर ही ध्यान देते है उन्हें लगता है ही यही सही खबर है क्योकि फेक न्यूज फैलाने वाले खबरों को तोड़ मरोड़ कर पेश करते हैं। हम सभी को तो पता है की लोग आज के समय में फेमस होने के लिए क्या क्या-कर देते हैं और वे लोग इसका नतीजा नहीं जानते हैं की इसके बाद क्या होगा। फेक न्यूज की प्रॉब्लम इतनी ज्यादा बढ़ गयी है की पता ही नहीं चलता है की सच्चाई क्या है और फेक न्यूज क्या है और लोग किसी भी बात को बिना जांचे परखे मान लेते हैं और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है। आज के समय में हमारे देश में फेक न्यूज की समस्या बहुत ही ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है बल्कि बढ़ चूका है और फेसबुक, ट्विटर और जैसे सोशल मीडिया साइट्स के माध्यम से ये फेक न्यूज सबसे ज्यादा फैल रही है और इन्ही साइट्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। अगर भारत में सोशल मीडिया यूज करने वाले लोगो की बात करे तो व्हाट्सएप के कुल मासिक यूजर्स में से 16 करोड़ भारत के यूजर्स हैं और वही ट्विटर की बार करे तो भारत में कुल 2.2 करोड़ ट्विटर यूजर्स है और इसी तरह फेसबुक में 14.8 करोड़ यूजर्स हैं। इतने ज्यादा यूजर्स होने के कारण फेक न्यूज फैलने की सम्भावना बहुत ज्यादा हो जाती है जिसके चलते हर कोई बिना सत्यता की जांच किये इस तरह के न्यूज को लाइक, शेयर और कमेंट कर देता है और इसके बारे में एक मिनट भी नहीं सोचता है। इस तरह की गलत तरीके भाईचारे की भावना की भी प्रभावित करता है और इससे असहिष्णुता को भी बढ़ावा मिलता है हमेशा ऐसे फेक न्यूज से बेकसूर लोगो का उत्पीड़न होता है और उनकी मयार्दा के साथ खिलवाड़ होता है। जगह-जगह दंगा फसाद की जड़ फेंक न्यूज के कारण ही होते हैं। फेक न्यूज के फैलने से देश में और समाज में अशांति का माहौल हो जाता है लोग डरे और सहमे से होते है उन्हें पता नहीं चलता की क्या होने वाला है और इससे ऐसे फेक न्यूज फैलाने वालो को बढ़ावा मिलता है। हम ये नहीं कह सकते हैं की इस तरह की न्यूज को सिर्फ सोशल मीडिया ही फैला रहे है क्योकि हमे पता होना चाहिए की ऐसी खबरे सोशल मीडिया नहीं फैलाती और ना ही इस तरह की खबरे बनाती है ये काम तो हम जैसे लोग बनाते और फैलाते हैं। फैक्ट-चेकिंग संगठन समाचारों की पुष्टि करने और लोगों को फेक न्यूज के बारे में शिक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन संगठनों को सरकार और मीडिया द्वारा प्रोत्साहित एवं समर्थित किये जाने की आवश्यकता है। सरकार को सोशल मीडिया में फैलने वाले किसी भी फेक न्यूज पर काबू पाने के लिए प्रभावी ढंग से अपनी रणनीति बनाने की जरूरत है और इस तरह की न्यूज सोशल मीडिया में फैलाने वालो को कड़ी कार्यवाही करने की जरूरत है। सरकार को इस तरह के खबरों के सोर्स पर पैनी नजरे रखनी चाहिए और इनके गिरोह का पदार्फाश करना चाहिए। इस तरह की खबरों को कोई भी न्यूज, अखबार या फिर सोशल मीडिया बिना पुष्टि के नहीं पब्लिश नहीं करना चाहिए अगर हम पहले से ही अलर्ट रहेंगे तो इसकी नौबत ही नहीं आएगी।

पूजा गुप्ताः
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

अन्तर्मना ने क्षुल्लक श्री (डॉ. सुशील मैनपुरी) को 'वर्णी' पद से विभूषित किया

हम पहले लोकाचार का तो पालन करें : क्षुल्लक सहज सागर

नरेंद्र. पियूष जैन

मूलाचार या श्रावकाचार की बात तो तब समझ आये जब हम लोकाचार का तो पालन करें। हम बड़ी बातें करते हैं आचार्य की जय जय कार करते हैं परंतु जैनों के 3 चिन्हों से हम दूर होते जा रहे हैं। ये उद्गार मैनपुरी गौरव 'वर्णी क्षुल्लक श्री सहज सागर जी' ने प्रवचन करते हुये व्यक्त किये।

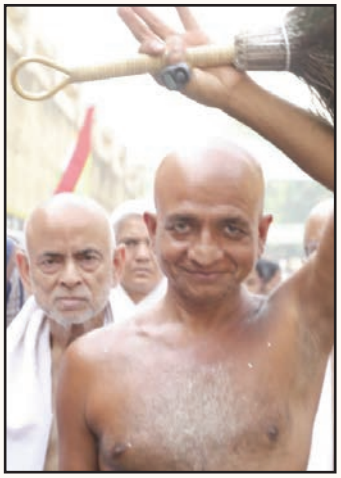

उन्होंने आगे कहा कि हम हजारों मूर्तियों हेतु राशि तो दे देते हैं पर अभिषेक करने को तैयार नहीं। मोक्षमार्ग में थ्योरी व प्रैक्टिकल दोनों चाहिये। ज्ञान जरूरी है पर अकेला ज्ञान फल नहीं देता, चारित्र चाहिये। स्व पर भेद विज्ञान की बात करने वाले विद्वान्-बातें करते करते चले गये, पर पिच्छी हाथ में नहीं आई तो मरण सफल नहीं हुआ व जिसका मरण अच्छा नहीं उसका जन्म भी अच्छा नहीं हो सकता। अतः अपने जीवन में चारित्र को धारण करो। आपका सौभाग्य है कि तपस्या में सर्वोत्तम संत अन्तर्मना आपके पुण्य से आपके सामने हैं। उनसे कुछ न कुछ नियम जरूर लो जिसपर आचार्य श्री की प्रेरणा पर सभी ने नियम लिया कि अष्टमी चतुर्दशी को न बाजार में खायेंगे न बाजार का खायेंगे। डॉ सौरभ जैन, मैनपुरी ने डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज' को बताया कि सबसे पहले सुबह भिलाई में वैशाली नगर के श्री महावीर जिनालय में पहुँचने पर उपस्थित अपार जन समूह को संबोधित करते हुये अन्तर्मना तपाचार्य श्री प्रसन्नसागर मुनिराज ने अपने संघ के क्षुल्लक श्री को 'वर्णी' पद से विभूषित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा आज से हमारे क्षुल्लक वर्णी श्री सहज सागर जी के नाम से जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक बार दीक्षा के बाद मुझे भी उनमें वर्णी जैसी छवि दिखी थी। अमरकंटक आचार्य श्री विद्यासागर जी के पास दर्शनार्थ जाने पर आचार्य श्री ने भी कहा था कि वर्णी जी जैसे लगते हो।

वेद ज्ञान

संस्कारों की पूंजी

बच्चों की नजर में उनके माता-पिता ही उनके आदर्श होते हैं। इसलिए आप भी आदर्श न छोड़ें। हमेशा आदर्श व मर्यादा का पालन करें। बच्चों की नजर में आपका व्यक्तित्व आदरणीय व अनुकरणीय होता है। उसके लिए आप मर्यादा के प्रतीक हैं। यदि आपका बच्चा आपके लिए अपने मन में ऐसी भावना नहीं बनाता तो वह कभी भी आपके कपड़े, जूते, टोपी आदि को पहनकर चलने का प्रयास नहीं करता। उसकी धारणा होती है कि आप एक आदर्श पुरुष हैं। इसलिए आपके जैसा एक आदर्श पुरुष बनना चाहता है। यदि आप स्वयं मर्यादाहीन होंगे, आपका चरित्र संदेहास्पद होगा, आप अपनी प्रतिष्ठा से नीचे आ जाएंगे तो सोचें कि आपके बच्चे पर इसका क्या असर पड़ेगा? अधिकांश लोग अपने पिता को पूज्य पिताजी कहते हैं। पिता तो पूज्यनीय होते ही हैं, लेकिन पूज्यनीय बनने से पहले कौन-कौन से आचरण अपनाने हैं, इसे भी आपको ही सोचना होगा। हम सभी की भावना होती है कि जब बेटा बड़ा हो तो मुझे आदर की नजरों से देखे, आदरपूर्वक पुकारे, कहीं आए या जाए तो पैर छूकर मुझे प्रणाम करे। अब जरा विचार करें कि क्या आप इस योग्य हैं कि आपके बच्चे या आप से छोटे आपके पैर छूकर प्रणाम करें? क्या आप ऐसी मर्यादा का पालन करते हैं? यदि आप में यह सब है तो संभव है कि आप इसके द्वारा ही समाज में क्रांति पैदा कर सकें। यदि हम इस मर्यादा से नीचे खिसक गए तो हमें पूज्य पिताजी कहलाने का अधिकार नहीं है। पहले भारतीय पत्नियां अपने पतियों का नाम नहीं लेती थीं, लेकिन आजकल पति-पत्नी एक-दूसरे को नाम से पुकारने लगे हैं। यह अशालीन आचरण या व्यवहार नहीं है बशर्ते कि उन दोनों के बीच प्रेम और विश्वास बरकरार रहे। इसके साथ ही अगर पति व पत्नी आपस में सम्मानजनक शब्द बोलें तो यह स्थिति बेहतर रहेगी और परिवार में खुशहाली आएगी। पहले पति व पत्नी आपस में पर्दे के साथ बातें करते थे। इसलिए उनके बीच प्रेम व मिठास बनी रहती थी। आदर्शों का एक बड़ा आधार हमारे वार्तालाप का तरीका है। हम जब अपने सामने वाले के साथ सम्मानजनक तरीके से बात करते हैं तो अपने आप उस पर अपना प्रभाव जमा लेते हैं। ऐसा वार्तालाप सही संस्कारों से ही संभव है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने बच्चों को सही संस्कार दें। संस्कारों की पूंजी पूरे जीवन में काम आती है।

संपादकीय

सर्वोदय और सत्याग्रह को नहीं समझते युवा

कुछ दिनों पूर्व समाजशास्त्र के छात्रों से अनौपचारिक संवाद के दौरान हम ने कुछ नामों, जिनमें विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण शामिल थे, का उल्लेख किया। जब हम ने उनसे उनके बारे में जानना चाहा तो उनकी जानकारी सीमित थी। हमें तनिक भी हैरानी नहीं हुई। हमने अपनी विरासत से नई पीढ़ी को अवगत कराने का गंभीर प्रयास ही नहीं किया। इसलिए इन नामों की उपयोगिता प्रतियोगिता परीक्षा के सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के रूप में सिमट कर रह गई है। नई पीढ़ी के राजनेता भी इन नामों को सुविधाजनक नारों के रूप में ही देखते हैं। यथार्थ कुछ और है। कुछ विरासतें भविष्य को अपने गर्भ में पालती हैं। विनोबा और जयप्रकाश की विरासत उसी श्रेणी में आती है। उनमें जीवंतता और नव-सृजन की असीम क्षमता है। ऐसी विरासत कभी मरती नहीं है। बल्कि मरती हुई चेतना को जीवित करने का कारण बनती है। जब राजनीतिज्ञ संतों की भूमिका में आ जाते हैं, तब वे दीर्घकालिक परिवर्तन के जनक ही

नहीं बनते, अपने जीवन के बाद भीड़ से अपने जैसे पथिकों की खोज करने की ताकत भी रखते हैं। महात्मा गांधी, विनोबा और जयप्रकाश तीनों ने सामाजिक- राजनीतिक परिवर्तनों की शुरूआत महानगरों या बड़े साइनबोर्ड वाले दफ्तरों या बड़े उद्देश्य वाले दावों से नहीं की। वे भीड़ और जनमत तैयार करने का दावा करने वालों तथा शहरी चमक-दमक से दूर देहात को अपना केंद्र और प्रयोगशाला बनाया। महात्मा गांधी ने 1915 में साबरमती नदी के किनारे कोचरब नामक स्थान पर सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की। यह अहमदाबाद शहर से मीलों दूर है। विनोबा ने 1921 में धाम नदी के किनारे वर्धा से छह किलोमीटर दूर पवनार में सत्याग्रह आश्रम बनाया, तो जयप्रकाश ने बिहार के नवादा जिले में, जिला केंद्र से बावन किलोमीटर की दूरी पर शेखोदेवरा नामक गांव में सर्वोदय आश्रम की स्थापना 1954 में की थी। ये तीनों ही स्थान राजनीतिक-सामाजिक परिवर्तन की प्रयोग भूमि बन गए और कई पीढ़ियों को अपनी ओर खींचते रहे। आजादी के बाद विनोबा ने 1951 में भूदान यज्ञ शुरू किया। पूरे देश का भ्रमण कर उन्होंने चार लाख एकड़ भूमि बड़े और मध्यम किसानों से दान में प्राप्त किया। यह भूमिहीनों के पक्ष में अभियान था। विनोबा सामाजिक-आर्थिक विषमता के अंत के लिए प्रबोधन करते रहे। यह प्रबोधन पश्चिम के वाम और दक्षिण की अवधारणा से भिन्न था। हजारों लोग इस अभियान का हिस्सा बने। समाज में बदलाव सहमति से पैदा होते हैं, जो कानून या व्यवस्था से कहीं ताकतवर औजार है। इस सहमति के निर्माण के लिए परिवर्तन के सारथी की पात्रता ही कारगर सिद्ध होती है। इसका निर्माण संत भाव से समाज के साथ साक्षात्कार से ही आता है। इसलिए विनोबा यह मानते थे कि सेवा के लिए सत्ता की जरूरत नहीं है। उनका दृढ़ मत था कि सेवा के लिए स्वतंत्र योजना होनी चाहिए। विनोबा के अनुसार सेवा एक बड़ा प्रतीक्षालय है। इसकी एक तरफ से गाड़ी जाती है व्यवस्था और सत्ता की ओर और दूसरी बाजू से गाड़ी जाती है भक्ति और मुक्ति की ओर।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बेवकूफी के कारण

जब अपने देश में बजरंग दल जैसी संस्थाओं की तुलना की जाती है जिहादी संस्थाओं से, तो ये वही लोग करते हैं, जिनको अपने 'सेक्युलरिज्म' पर इतना गर्व है कि वे बड़े से बड़ा झूठ बोलने के लिए तैयार हैं। सो, कुछ वामपंथी इतिहासकार हैं अपने भारत महान में, जिन्होंने इतिहास की किताबों में लिखा है कि इस्लामी दौर में भारत में कोई भी मंदिर नहीं तोड़ा गया था। एक छोटा-सा सुझाव विनम्रता से पेश करना चाहती हूं राहुल गांधी को। अपने सारे सलाहकार बदल डालिए। कम से कम उनको कूड़ेदान में फेंक दीजिए, जिन्होंने कर्नाटक के लिए आपका घोषणा पत्र तैयार किया था, वरना ऐसा लगने लगेगा कि एक बार फिर आपके करीबियों में उसी किस्म के लोग हैं, जिन्होंने 26/11 वाले जिहादी हमले को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर थोपने की कोशिश की थी। ऐसा न होता तो किसी हाल में बजरंग दल का नाम पीएफआइ (पापुलर फ्रंट आफ इंडिया) के साथ न जोड़ा होता इस घोषणा पत्र में। इसमें कोई शक नहीं कि बजरंग दल ने सनातन धर्म को इतना गलत समझ लिया है कि इसके सदस्य अपना ज्यादातर समय मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने में लगाते हैं। जब कहीं सांप्रदायिक दंगे छिड़ जाते हैं, तो बजरंग दल के लोग हिंसा करने में सबसे आगे दिखते हैं। और अपनी हिंसा पर गर्व भी करते हैं। हाल में एक बजरंगी ने बीबीसी से कहा था कि गुजरात के दंगों के दौरान उसने एक गर्भवती मुसलिम महिला के पेट में तलवार से उसका अजन्मा बच्चा निकाला था और ऐसा करके उसको बहुत खुशी हुई थी। ये शब्द कहे गए थे उस बीबीसी डाक्यूमेंट्री में, जिस पर मोदी सरकार ने पाबंदी लगाई थी। यह भी याद रखना चाहिए कि जिन लोगों को दंगों के बाद आजीवन कारावास हुआ था, उनमें बाबू बजरंगी भी थे, जो बजरंग दल के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। सो, जब प्रधानमंत्री खुद बजरंग दल के बारे में कहते हैं कि ये हनुमान भक्त हैं, तो सत्य को थोड़ा मरोड़ कर कह रहे हैं। असली हनुमान भक्त महिलाओं पर हमले नहीं करते हैं। असली हनुमान भक्त रक्षा करते हैं उन बेसहारा लोगों की, जो अपनी रक्षा खुद नहीं कर सकते हैं। बजरंग दल की बुराइयां गिनाने के बाद कहना जरूरी है कि इस संस्था की तुलना पीएफआइ से नहीं की जा सकती है किसी भी हाल में। इसलिए कि पीएफआइ जिहादी संस्था है, जिसके तार मजबूती से जुड़े हुए हैं उन जिहादी संस्थाओं से, जो सारी दुनिया में आतंक फैलाने का काम करती हैं इस्लाम के नाम पर। ये वे लोग हैं, जिन्होंने केरल में एक प्रोफेसर का हाथ काट दिया था, सिर्फ इसलिए कि उनको शक था कि इस बदकिस्मत प्रोफेसर टीजे जोसेफ ने इस्लाम के रसूल के साथ गुस्ताखी की थी। प्रोफेसर साहब की उसके बाद जिंदगी तबाह हो गई। उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति इस हमले की वजह से इतनी बिगड़ गई कि उसने हमले के कुछ महीने बाद आत्महत्या कर ली थी। जिस कालेज में प्रोफेसर जोसेफ पढ़ाते थे वहां से बर्खास्त कर दिए गए। कहने का मतलब यह है कि जब अपने देश में बजरंग दल जैसी संस्थाओं की तुलना की जाती है जिहादी संस्थाओं से, तो ये वही लोग करते हैं, जिनको अपने ह्यसेक्युलरिज्महृ पर इतना गर्व है कि वे बड़े से बड़ा झूठ बोलने के लिए तैयार हैं। सो, कुछ वामपंथी इतिहासकार हैं अपने भारत महान में, जिन्होंने इतिहास की किताबों में लिखा है कि इस्लामी दौर में भारत में कोई भी मंदिर नहीं तोड़ा गया था।

जैन पाठशाला जनकपुरी के विद्यार्थियों की धार्मिक यात्रा संपन्न

आदिश्वरधाम, मेहन्दवॉस, साँखना, जहाजपुर के किए दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पाठशाला-जनकपुरी जयपुर के विद्यार्थियों व शिक्षकों का इक्कावन सदस्यीय दल पाठशाला के निदेशक शिखर चंद जैन के नेतृत्व में रविवार को धार्मिक भ्रमण पर प्रातः जयपुर से रवाना होकर आदिश्वर धाम व मेहन्दवास के दर्शन कर दिन में साँखना पहुँचा। वहाँ अतिशयकारी शान्तिनाथ भगवान के दर्शन भक्ति पूजन व आरती तथा मुनि श्री 108 शुषत सागर महाराज के आशीर्वचन के बाद जहाजपुर के लिए रवाना हुआ। क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी व अशोक पाटनी ने दल का स्वागत किया। रास्ते में दल ने बिसलपुर बांध का अवलोकन लिया। दल ने जहाजपुर में भगवान मुनिसुव्रत नाथ के दरबार में जयकारो के साथ प्रवेश किया तथा दर्शन पूजन कर पूज्य माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया । जहाजपुर क्षेत्र के मंत्री ज्ञानेन्द्र जैन ने दल का स्वागत किया ।इधर पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने सुंदर व्यवस्थाओं के क्षेत्र की प्रेरणा श्रोत गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी को दल की और से सादर वन्दन , नमन किया। शाम को भक्ति मय आरती के बाद मन्दिर की जगमगाती मनमोहक रोशनी का भरपूर आनद लिया। भ्रमण की नियोजित व्यवस्था संयोजक सुरेश शाह व राजेंद्र ठोलिया द्वारा संरक्षक कमलेश पाटनी विनय सेठी किरण जैन अमित शाह व सुनील सेठी के सहयोग से की गई। दल रात्रि में सकुशल जयपुर पहुँचा।

रघु विहार कॉलोनी में परिंडे वितरण किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। रघु विहार कॉलोनी में गर्मी में पक्षियों के पानी पीने के लिए परिंडे लगाए गए एवं 51 परिण्डो का वितरण किया गया। इस अवसर पर सुरेश कुमार जैन अध्यक्ष रघु विहार विकास समिति,उपाध्यक्ष एम एस जौहरी, विनय सोंखिया, बी .एस. अग्रवाल, मुकेश वाष्णेय, भाग चंद जैन, एस.एस .राजावत जी.एस .जोशी, के. बी.सक्सेना, बी.एल. विजय, के एन गुप्ता, श्रीमती उषा राजावत, श्रीमती दीपा माहेश्वरी, श्रीमती बी एस अग्रवाल उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल यूनिक ब्यावर ने किया गौशाला में सेवा कार्य

अमित गोधा. शाबाश इंडिया।
ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल यूनिक ब्यावर द्वारा बाबरा ग्राम स्थित श्री गोपाल महावीर गौशाला में पारसमल, प्रवीण कुमार, सुनील कुमार, दिलीप कुमार, मोहित खेतपालिया परिवार के सहयोग से गौवंश को पौष्टिक सब्जियों का भोग करवाया गया। अध्यक्ष वीर प्रकाश मेहता ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल यूनिक अपने मुख्य उद्देश्य सबको प्यार सबकी सेवा के साथ जीव एवं मानव सेवा के कार्यों में सदैव अग्रणी रही हैं। इसी कड़ी में आज खेतपालिया परिवार के सहयोग से 8000 कि.ग्रा. सब्जियों का गौ वंश को उपभोग हेतु दिया गया। आज के सेवा कार्यक्रम में सचिव वीर प्रवीण खेतपालिया, कोषाध्यक्ष वीर प्रकाश कोठारी, वीर प्रकाश खींचा आदि सदस्य उपस्थित थे।

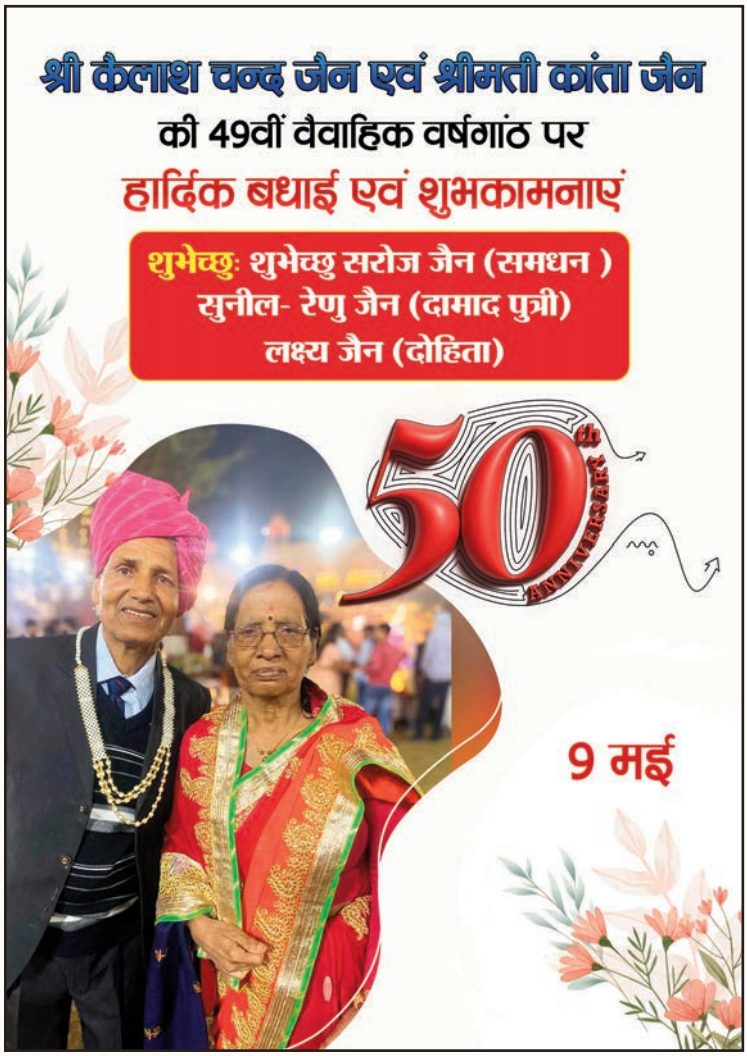

जैन छात्रावास में 30 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ

संस्कार और नैतिक शिक्षा भी देना अनिवार्य हो: आर.के.जैन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। बच्चों को लौकिक शिक्षा के साथ साथ संस्कार और नैतिक शिक्षा भी आवश्यक रूप से दी जानी चाहिये ।ताकि उनमें देश धर्म और समाज के साथ पीड़ित मानव सेवा का जज्बा पैदा हो सके । वीर शिक्षा समिति द्वारा किये जा रहे कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं ।उक्त विचार सेवनिवर्त कलेक्टर आर.के.जैन ने जैन वीर शिक्षा समिति द्वारा जैन छात्रावास में आयोजित समर केम्प के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किये। श्री वीर शिक्षा समिति (जैन छात्रावास) ग्वालियर के महामंत्री डॉ. मुकेश जैन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार माधव डिस्पेंसरी के सामने जैन सेंट्रल स्कूल (जैन छात्रावास) के प्रांगण में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर एवं ग्वालियर यूथ सोसायटी के सहयोग से 1 मई से 30 मई तक प्रातः 6.30 बजे से 10.30 बजे तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप में योगा, कराटे वेस्टर्न डांस, ड्राइंग और क्राफ्ट के साथ मेंहदी, शतरंज, जुम्बा एवं लोक नृत्य का प्रशिक्षण प्रशिक्षित लोगों द्वारा दिया जा रहा है।शिविर का विधिवत उद्घाटन सेवानिवृत्त आई.ए.एस आर के जैन द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के संस्थापक अध्यक्ष अनुपम चौधरी, ग्वालियर यूथ सोसायटी के अध्यक्ष संजय कठुल ने भी सम्बोधित किया। स्वागत भाषण संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र जैन ने दिया। अतिथियों का स्वागत जैन सेन्ट्रल हाई स्कूल की प्राचार्या नीतू सिंह, रश्मि जैन, महेन्द्रकुमार जैन, संजय जैन चौधरी, राजमल जैन, डॉ. जितेन्द्र जैन एडवोकेट, पारस जैन, सौरभ जैन एडवोकेट, विक्रम कुमार जैन, गुलजारीलाल जैन, विमल जैन कक्कू, देवेन्द्र जैन लुनिया ने किया। इस अवसर पर जैन समाज के अनिल शाह, भरत वैरागी, आशीष जैन, अम्बरीष जैन, बालचंद जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। संस्था द्वारा जैन समाज के प्रवक्ता ललित जैन को समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन रमेशचन्द्र जैन ने किया कार्यक्रम का संचालन संस्था के मंत्री डा मुकेश जैन ग्वालियर द्वारा किया गया।

प्रदीप जैन पीएनसी पुन: निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

एम डी जैन इंटर कॉलेज के चुनाव सम्पन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति आगरा के चुनाव सम्पन्न हुए । जिसमें पीएनसी ग्रुप के डायरेक्टर प्रदीप जैन को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। आगरा की लगभग 80 वर्ष पुरानी संस्था श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति जिसके अन्तर्गत एम डी जैन इन्टर कालेज हरीपर्वत, श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, श्री जैन शोध संस्थान, श्री महावीर होम्योपैथिक एवं मैडिकल इक्युपमैन्ट सैन्टर का संचालन होता है ।उक्त संस्था के पदाधिकारीयों व उपसमिति के चुनाव नरायण भवन हरीपर्वत आगरा में निर्विरोध सम्पन्न हुये। चुनाव के बाद सभी नव निर्वाचित सदस्यो ने श्री शान्तिनाथ जिनालय में श्रीफल अर्पित कर मन्दिर जी में विराजमान आचार्य श्री सौरभसागर जी महाराज से पूरी कमेटी ने आशीर्वाद प्राप्त किया। चुनाव अधिकारी रमेशचन्द जैन (आगरा कालेज) द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार संस्था के अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामन्त्री जितेन्द्र जैन, प्रबन्धक अखिल बारोलीया, अर्थमन्त्री पुष्पेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष विमलेश मारसन्स, उपाध्यक्ष कमल जैन गोधा, मन्दिर मन्त्री राकेश जैन पार्षद, भवन निर्माण मन्त्री अमित जैन सेठी, उप प्रबन्धक रूपेश जैन, उपमन्त्री पारस बाबू जैन, अंकेक्षक जगदीश प्रसाद जैन पुनः निर्वाचित हुये हैं साथ ही दूसरे अंकेक्षक के पद पर धर्मेन्द्र जैन व भन्डारी पद पर सुबोध जैन कमलानगर निर्वाचित हुये हैं। शोध संस्थान के अध्यक्ष भोलानाथ जैन सिंघई ही रहेंगे ।इसके अतिरिक्त अन्य पदो व उपसमिति के सदस्यों पर भी विभिन्न लोग निर्वाचित हुये हैं, जिसकी विधिवत सूचना चुनावाधिकारी द्वारा जारी की जा रही है। प्रदीप जैन PNC के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी इष्टमित्रों एवं शुभचिन्तकों ने हर्ष व्यक्त करते हुये उन्हें एवं पूरी टीम को बधाई दी है।

एसि.प्रो. डॉ.मंजु बाघमार को सर्वोच्च शिक्षा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

रामबाग स्थित सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय की एसि. प्रो. डॉ.मंजु बाघमार को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान पिंकसिटी प्रेस क्लब सभागार में रविवार को टीवी मीडिया ग्रुप जयपुर प्लस न्यूज की ओर से हुए सर्वोच्च शिक्षा सम्मान समारोह-2023 में प्रदान किया गया। आयोजक सुरेन्द्र साजवान ने बताया कि इस मौके पर राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन राजीवे अरोड़ा, रावत एजकेशन ग्रुप के डायरेक्टरे बीएस रावत व वरिष्ठ अधिवक्ता एचसी गणेशिया समेत संपूर्ण शराबबंदी आंदोलने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा भी मौजूद रहीं। इस मौके पर शिक्षा जगत में बेहतर काम करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया।

मासिक नाट्य प्रस्तुति रंगशाला में काबुलीवाला ने खूब जमाया रंग

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गुरुदेव की 162 वीं जयंती की अवसर पर भारतीय लोक कला मंडल द्वारा पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र मासिक नाट्य प्रस्तुति रंगशाला के अंतर्गत गुरू देव रविंद्र टैगोर की कहानी काबुलीवाला पर आधारित कठपुतली नाटक का मंचन रविवार को दर्पण सभागार शिल्पग्राम में हुआ। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि राजस्थान की प्रसिद्ध धागा शैली में तैयार उक्त कठपुतली नाटक रविंद्रनाथ टैगोर की 150 वीं जन्म जयंती के अवसर पर साल 2011 में प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक डॉ. लईक हुसैन द्वारा दि परफॉरमेंस कल्चरल सोसायटी के सहयोग से भारतीय लोक कला मंडल हेतु लिखा एवं निर्देशित किया गया जिसकी निर्माण परिकल्पना स्वर्गीय श्याम माली द्वारा की गई और संगीत डॉ प्रेम भंडारी ने तैयार किया। गौरतलब है कि भारतीय लोक कला मण्डल की प्रस्तुति काबुलीवाला को इस वर्ष जनवरी माह में बेंगलुरू के अंतराष्ट्रीय पुतली समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति घोषित किया गया तथा इसे देश के विभिन्न समारोह में खासी सराहना मिली। अफगान के पठान की कहानी पर आधारित इस प्रस्तुति में पठान भारत में सूखे मेवे बेचने आता है तथा भारत में एक बच्ची मिनी के बराबर की आयु की उसकी स्वयं की पुत्री होती है वह रोज मिनी को अपनी ओर से मेवे देता है। एक दिन वह उधारी के पैसे लेने के लिए जाता है, जहां कहासुनी के दौरान गुस्से में उसके हाथों एक सेठ का खून हो जाता है और उसे जेल जाना पड़ता है। इसके बाद कई उतार चढ़ाव से कहानी आगे बढ़ती है। अंततः इस प्रकार भावपूर्ण इस नाटक से दर्शक अभिभूत होते हैं और प्रशंसा करते है कि निर्जीव पुतलियों अद्भुत संचालन के माध्यम से किस प्रकार निर्देशक ने कहानी को मंच पर सजीव कर दिया। प्रस्तुति के अंत में राजस्थान की कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने नाटक के लेखक और निर्देशक डॉ. लईक हुसैन सहित सम्मस्त टीम को सम्मानित किया।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव सानंद संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन नवतीर्थंकर जिनालय स्वामी विवेकानंद नगर कोटा में दो दिवसीय श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत द्वितीय दिवस के कार्यक्रम की शुरूआत अभिषेक शांतिधारा से हुई। तत्पश्चात नित्य पूजा, विश्वशांति महायज्ञ निर्विघ्न संपन्न हुआ। गुरू मां के पाद - प्रक्षालन का सौभाग्य नवीन जैन कोटा परिवार ने, वस्त्र भेंट का अवसर लोकेश जैन कोटा परिवार व शास्त्र भेंट का अवसर चंद्रेश कोटा सपरिवार ने प्राप्त किया। पूज्य गुरू मां ने अपने प्रवचनों के माध्यम से जनसमूह को उद्बोधन देते हुए कहा कि - हमें भी यदि वीतराग मुद्रा प्राप्त करना है तो अपने ज्ञान के आवरण को विवेक की आंख से हटाकर देखो। स्वतः ज्ञान का विकास हो जायेगा। वेदी पर भगवान को स्थापित करने, मंदिर निर्माण करने का यह फल है कि एक दिन सिद्धालय में हमारा भी स्थान बनेगा। अपनी द्रव्य को मंगल कार्य में लगाकर मांगलिक बनाया जा सकता है जिसका माध्यम है जिन मंदिर जिन प्रतिमा के लिए लगाया जाये। वेदी पर मूलनायक पुष्पदंत भगवान को वेदी में विराजमान करने का सौभाग्य श्री विनोदजी कुसुम जी कुशल जी सरस्वती जी लाम्बावास वाले कोटा सपरिवार ने प्राप्त किया।

मंत्री कटारिया की अनुशंसा पर स्वीकृत सड़क का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर ग्रेटर नगर निगम के वार्ड नंबर 64 में स्थानीय विधायक और माननीय कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया की अनुशंसा पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। वार्ड नंबर 64 के पार्षद राजू अग्रवाल ने अवगत कराया कि स्थानीय विधायक लोकप्रिय जन नेता, विकास पुरुष लालचन्द कटारिया के अथक प्रयासों से जेडीए द्वारा क्षेत्र में सड़क नवीनीकरण कार्य स्वीकृत हुआ है, जिसके शुभारंभ के अवसर पर वैशाली नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र कायथवाल, वैशाली नगर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मोहित जैन और मंत्री कटारिया के ओएसडी जयकुमार जैन सहित कॉलोनी के बुजुर्ग एवं वरिष्ठ रहवासियों के साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दुर्गापुरा जैन मंदिर में 7 दिवसीय निः शुल्क योग शिविर का हुआ शुभारंभ, 14 मई तक चलेगा शिविर

योग प्रशिक्षक डॉ सीमा वैद दे रही प्रशिक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट , महिला मण्डल एवं समर्पण योगा सेन्टर के संयुक्त तत्वावधान में मंदिर जी प्रांगण में सात दिवसीय निशुल्क योग शिविर का सोमवार को शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने योग क्रियाएं सीखी। अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रातः 6.00 बजे से 7.00 बजे तक आयोजित शिविर में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', समाजसेविका मनोरमा चांदवाड़ ,आशा पाटनी एवं रमेश छाबड़ा ने भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विश्वशांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक रूप से उच्चारण किया गया ।मंदिर कमेटी एवं महिला मण्डल की ओर से योगा प्रशिक्षक डा. सीमा वैद , सचिन वैद एवं उनकी सहायक बालिकाएं जान्वी वैद,दिया वैद का माल्यार्पण कर स्वागत व सम्मान किया गया। संचालन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मण्डल की सांस्कृतिक मंत्री रेखा पाटनी ने किया। डॉ सीमा वैद द्वारा बहुत ही सरल तरीके से योगा का प्रक्षिशण दिया गया। इस शिविर में मंदिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष सुनील संगही,मंत्री राजेन्द्र काला,महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया सहित समाज के बहुत लोगों ने लाभ प्राप्त किया। डॉ सीमा वैद ने योग के लाभों के बारे में बताया कि योग हमारे शारीरिक और मानसिक दोनों ही रूप में तनाव से मुक्ति दिलाता हैं ।मोटापे को कम करता है। ऊर्जा में वृद्धि सहित चिन्ता मुक्त बनाता है। योग करने से मन को शांति मिलती है। प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है ।शरीर में लचीलापन आने के साथ योग से कई तरह की बीमारियों का ईलाज होता है। योग मनुष्य को सहजता एवं सजगता से जीवन जीने में मदद करता है। महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया , मंत्री रानी सोगानी एवं सांस्कृतिक मंत्री रेखा पाटनी ने बताया कि शिविर 14 मई तक प्रतिदिन सुबह 6.00 बजे से 7.00 बजे तक मंदिर परिसर में चलेगा।

सिटिजन यात्रा क्लब ने विभिन्न मंदिरों के दर्शन कराये

जयपुर. शाबाश इंडिया। सिटिजन यात्रा क्लब ने अपने सदस्यों को जयपुर की बाहरी कालोनियों में बने नये जैन मंदिरों के दर्शन कराये। सवेरे प्रातःकाल सभी सदस्य दुगार्पुरा जैन मंदिरजी में एकत्र हुये व अभिषेक तथा शान्तिधारा देखकर 7बजे रवाना हुये ।सबसे पहले तारानगर हल्दीघाटी मार्ग स्थित पार्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे। सभी ने पार्वनाथ की आकर्षक व मनमोहक प्रतिमा के दर्शन किये। इसके बाद गोवर्धन नगर स्थित आदिनाथ भगवान के मंदिर जी व अन्य वेदियों के दर्शन किये व मांगियावास पहुंच कर निमार्णाधीन मुनिसुव्रतनाथ भगवान के मंदिर में दर्शन किये ।इसके बाद राधानिकुंज मंदिरजी के दर्शनों के लिए गये व वंहा तीनों वेदियों के दर्शन किए। बाद में केशर चौराहे स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय की प्रतिमाओं के दर्शन किये।अब दर्शन के लिए बारी थी वर्धमान सरोवर दिगम्बर जैन मंदिर की ।मानसरोवर पत्रकार कालोनी स्थित इस मंदिर को ढूंढना आसान नहीं था ।गूगल के माध्यम से बडी मुश्किल वंहा पहुंच कर इस दो मंजिले शान्त वातावरण वाले मंदिर के दर्शन कर सभी अत्यंत प्रसन्नचित्त हुये ।इसकेबाद मोहनपुरा स्थित चिंतामणि पार्वनाथ दिगम्बर जैन पहुंचें व तीनों वेदियों के दर्शन कर,सभी सदस्यों को मंदिर प्रमुख पवन गोदिका व उनकी धर्मपत्नी ने स्वागत किया तथा नाश्ता व जलपान कराया। वंहा से मुहाना गांव के शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन कर नेवटा के पदमप्रभू भगवान के विशाल मंदिर की तीनों वेदियों के दर्शन किए तथा कलवाडा ग्राम के लिए रवाना हुये। इस मंदिर जी का वेदी शुद्धी का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ व सभी मूर्तिया विराजमान हो चुकी थी।

धर्म के कार्य कठिन लगते हैं : आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

डबरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

डबरा। सांसारिक प्राणी को धर्म के कार्य कष्टदायी लगते हैं और संसारिक कार्य सुगम, सरल लगते हैं। इसके विपरीत साधुओं को धार्मिक क्रियाएं सरल लगती हैं। मुझे यह बताइए संसार में कष्ट ज्यादा है कि नहीं । भोजन का कष्ट, निराकुलता में सुख आकुलता में कष्ट है। आपको भोजन करना है, तो कितनी मेहनत करनी पड़ती है । यदि हमें आहार करना है तो कोई टेंशन नहीं हैं ।आहार का समय होगा शुद्धि का जल आएगा, तब देखेंगे । 24 घंटे में कमाना भी नहीं पड़ता आपको रहने के लिए मकान चाहिए तो आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है, तब कहीं जाकर रहने के लिए छत मिलती है । साधुओं के लिए हर शहर में आपने ही धर्मशालाएँ, मन्दिर एवं सन्त निवास बनाए हैं । मन लगाने के मनोरंजन के साधनों के लिए आप पैसा खर्च करते हो ।आपने पैसे जोड़ जोड़ कर हमारे लिए शास्त्र मंदिरों में रखे हैं । आपके लिए रोकने टोकने वाले बहुत हैं, हमसे लोग सलाह लेते हैं । जीवन में सुख ज्ञान की क्वालिटी से आता है सब कुछ होने के बाद भी दुख है । आप भूख प्यास को दुख मानते हैं हम भूख प्यास को बीमारी मानते हैं । इसलिए भोजन को दवाई समझकर खाते हैं । तुम पकवान समझकर खाते हो । इतनी मेहनत के बाद भी आपके जीवन में सम्मान नहीं हैं । उक्त विचार स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने जैन मंदिर डबरा में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये । श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर डबरा में भारत गौरव स्वस्तिधाम प्रणेत्री परम-विदुषी लेखिका गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण, श्री स्वस्तिभूषण माता जी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ ।

ध्वजारोहण के साथ हुआ नो दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान शुरू, शोभायात्रा निकाली

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। आध्यात्मिक व धार्मिक नगरी पिड़ावा में ग्रीष्मकालीन धर्म देशना के तहत श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर नवीन जिनालय खंडपुरा के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को 1 वर्ष होने के प्रसंग में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में स्व. मदन मोहन वैद्य,स्व. श्री मती कमलाबाई की पावन स्मृति में गुर्जर सुल्तानी परिवार की ओर से श्री पार्श्वनाथ नवीन जिनालय खंडपुरा में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति यज्ञ मंगल कामना के लिए सोमवार को ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि 108 श्री भूतबलि सागर महाराज, मोन सागर, मुनि सागर, मुक्ति सागर, ब्रह्मानंद सागर समाधि सम्राट के पावन आशीर्वाद से व परम पूज्य आचार्य 108 सूव्रत सागर महाराज, क्षुल्लक 105 नैगम सागर महाराज के सानिध्य में विधानाचार्य पं.श्रेयांश जैन शास्त्री सागर ,बाल ब्रह्मचारी संजय भैया पठारी, पं. राजकुमार जैन पिड़ावा, पं. मुकेश जैन सुसनेर के कूशल नेतृत्व में 8 मई से 16 मई तक होने वाले नो दिवसीय सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ सोमवार को महावीर वेध परिवार के द्वारा ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर प्रातः 6 भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, पात्र शुद्धि, रक्षा मंत्र नित्य नियम कि पूजन के बाद शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पुरुष वर्ग भक्ति करते हुए व महिलाएं केसरिया साड़ी में सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई सेठान मोहल्ला, शहर मौहल्ला, खंडपुरा, नयापुरा होते हुए पारसनाथ मंदिर खंडपुरा पहुंची। जहां पर मंत्र उच्चारण के साथ ध्वजारोहण किया गया। जिसके बाद विधान की पूजा के आठ अर्ध चढ़ाये गये इस विधान में प्रतिदिन दोपहर को 12:30 बजे विधान की पूजन व रात्रि में 7 बजे आरती भक्ति 8:30 बजे शास्त्र प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संगीतकार केशव एण्ड पार्टी भोपाल के द्वारा करवाया जायेगा।

अशोक नगर जैन समाज ने अंतरिक्ष पार्श्वनाथ को लेकर दिया ज्ञापन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा के मूल स्वरूप में परिवर्तन होने की घटना को लेकर आज श्री दिगम्बर जैन पंचायत एवं अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी सहित जैन समाज के अनेक संगठनों ने कलेक्टरेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू उपाध्यक्ष गिरीष अथाइखेडा राकेश अमरोद महामंत्री विपिन सिंघाई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा उमेश सिघई विनोद मोदी अजित वरोदिया नीलू मामा शैलेन्द्र दददा पवन करैया आदि ने तहसीलदार को जिला कलेक्टर अशोक नगर के सौंप के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विपिन सिंघाई ने कहा शिरपुर (जैन) तहसील - मालेगांव, जिला - वाशिम यहाँ पर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति के द्वितीय

लेप की प्रक्रिया में मूर्ति के मुख्य स्वरूप में परिवर्तन किया गया है।इसके संदर्भ में घोर आपत्ति।हम सब निवेदक आपकी सेवा में यह ज्ञापन देते है कि, तहसील - मालेगांव जिला वाशिम स्थित श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान, शिरपुर की मूर्ति की लेप प्रक्रिया करने के संदर्भ में माननीय उच्चतम न्यायालय का आदेश दिनांक 05/04/2023 जिला प्रशासन की निगरानी में लेप करने का था ।इस अनुसार दिनांक 16/04/2023 को मूर्ति के द्वितीय लेप की प्रक्रिया प्रारंभ हुई / इसमें मूर्ति के मूल स्वरुप में लेप के दौरान निम्न लिखित छेड़छाड़ की गयी है -

अ ह श्वेतांबर ट्रस्टी एवं लेपन कारीगर के तरफ से श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति के पेट पर मोटासा वलय बनाया गया है ।

ब- श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान मूर्ति की सप्तफनी (नागमणि) के ऊपर एक-एक करके मोटी मणि बनाई गई है

क- श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति के कान के पीछे का भाग बढ़ाया गया है

इ- श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति की आंखों में बदलाव किया गया हैं ।

ई- श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति के चरणों के निचले भाग में चरणों के नीचे तीन रेखाएं बनाकर मूर्ति के मूल रूप में बदलाव किया गया है ।

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने कहा...

जिनेन्द्र प्रभु के दर्शन से पुण्य का आश्रव होकर कर्मों की निर्जरा क्षय होता है

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अशोकनगर प्रवेश के दिन अशोक नगर की शाब्दिक अर्थ बतलाया था ।तीर्थंकर श्री शांतिनाथ भगवान शोक रहित होकर अशोकनगर जिनालय में विराजित हैं। श्री शांतिनाथ भगवान 6 खंड के अधिपति चक्रवर्ती राजा, कामदेव, और सुदर्शन चक्र धारी है। पुण्य कैसे प्राप्त करें इसका प्रवचन अभी आपने सुना सभी को जिनेंद्र प्रभु का दर्शन करना चाहिए जिनेंद्र प्रभु के दर्शन श्रद्धा और विनय के साथ करना चाहिए यह मंगल प्रवचन अशोक नगर की धर्म सभा में आचार्य शिरोमणि वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रकट किए। ब्रह्मचारी गजू भैय्या,राजेश पंचोलिया अनुसार,आचार्य श्री ने आगे बताया कि कार्य अगर विधि अनुसार, नियमानुसार किया जाए तो वह पूर्ण होता है। जिस प्रकार युद्ध लड़ने के लिए रणनीति बनाई जाती है ,हर लौकिक कार्य चाहे वह व्यापार हो या नौकरी का हो वह कार्य विधि अनुसार करते हैं। किंतु जब भगवान के दर्शन करते हैं तब आप दर्शन,अभिषेक,पूजन विधि और नियम भूल जाते हैं। आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि जिनेंद्र प्रभु के दर्शन से पुण्य का आश्रव होकर कर्मों की निर्जरा होती है। मूल रूप से 8 कर्म है किंतु उनकी उत्तर प्रकृति 148 है आपके यह कर्म आत्मा में बैठे हैं। परिणामों में निर्मलता जिनेंद्र भगवान के दर्शन से आती है। दर्शन, दो हाथ, दो पैर और मस्तक जोड़कर जिनेंद्र प्रभु के दर्शन करना चाहिए। विधि पूर्वकदर्शन नमस्कार से कर्म के निर्जरा होती है ।संसार भ्रमणमें दुख और दुर्गति मिली है । पुण्य के कारण आपको मनुष्य गति मिली है।आचार्य श्री ने आगे बताया कि अहिंसा का छोटा नियम भी भगवान बना सकता है। एक उदाहरण से बताया कि महावीर स्वामी पूर्व पर्याय में पुरवा भील थे एक छोटा सा अहिंसा का नियम लिया, उसी प्रकार सिंह की पर्याय में भी रहे थे तिर्यंच गति में रहे उस समय मुनि के संबोधन से तिर्यंच गति से भगवान महावीर आगामी भव में बने। आचार्य ने बताया कि प्रतिमा का अभिषेक सभी को करने देना चाहिए कई मंदिरों में अभिषेक का समय निश्चित कर दिया जाता है उसके बाद अभिषेक करने नहीं दिया जाता है परंपरा ठीक नहीं है बिना अभिषेक के पूजन पूर्ण नहीं होती है आचार्य श्री ने बताया कि मंदिर से जाने के समय यह जरूर कह कर जाना चाहिए भगवान मैं फिर दर्शन करने आऊंगा ।मोबाइल के धार्मिक स्थलों में प्रचलन पर जागरूक करते हुए आचार्य श्री ने कहा मोबाइल की परिभाषा बताई कि जो मन को चित को चलाएं मान कर दे वह मोबाइल है। धार्मिक स्थलों में धर्म सभा में मोबाइल का उपयोग नहीं करना चाहिए ।विधि पूर्वक कार्य से पुण्य की प्राप्ति होती है साधु के उपदेश सुनकर ग्रहण करें। इसके पूर्व संघस्थ शिष्या आर्यिका श्री महायशमति माताजी ने प्रवचन में कर्म सिद्धांत की विवेचना में बताया कि कर्म का फल अनुभव कराता है कर्म का फल दिखता नहीं है।

यंग जैन स्टडी ग्रुप का शिक्षण शिविर में सांसद शंकर ललवानी पधारे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। यंग जैन स्टडी ग्रुप के तत्वावधान में जैन बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन 30 अप्रैल से 8 मंई तक सन्मति स्कूल छावनी में सम्पन्न हुआ । आज अंतिम दिवस समापन बेला में इंदौर नगर के जन प्रिय सांसद शंकर ललवानी शिविर में पधारे शिविर का अवलोकन किया एवं धर्म की प्रवाहित अविरल गंगा के बाल एवं युवा वर्ग को संस्कारित होते देख आने वाले भारत के स्वर्णिम भविष्य की कल्पना की और अपने उद्बोधन में कहा कि आगामी वर्ष में शिविर को निर्वाध रुप से चलाने हेतु हर संभव साथ मदद के लिए अपनी उपस्थिति उपलब्ध करवाने का वादा किया। आयोजन समिति के प्रमुख प्रकाश छाबड़ा,अजय जैन मीटा ने स्वागत किया। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ समाज जन पंडित रतनलाल शास्त्री, हंसमुख गांधी आदि उपस्थित रहे।

तेज पत्ता खाने से क्या फायदे होते हैं ?

शाबाश इंडिया। तेजपत्ता में कई तरह के प्रमुख लवण जैसे कॉपर, पोटैशियम, कैल्शियम, गैगनीज, सेलेनियम और आयरन पाया जाता है. हालांकि बहुत कम लोगों को ही पता होगा कि तेजपत्ता खाने का स्वाद और खुशबू बढ़ाने के साथ ही एक बेहद फायदेमंद मसाला भी है.

तेजपत्ते के फायदे:

1. अगर आपको पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो आप तेजपत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। पेट से जुड़ी कई समस्याओं में ये कारगर उपाय है। चाय में तेजपत्ते का इस्तेमाल करके कब्ज, एसिडिटी और मरोड़ जैसी समस्याओं से राहत पा सकते हैं।
2. तेजपत्ते का इस्तेमाल टाइप 2 डायबिटीज में करना फायदेमंद होता है। ये ब्लड शुगर के लेवल को सामान्य बनाए रखता है और दिल की क्रियाशीलता पर भी सकरात्मक प्रभाव डालता है। ऐसे में जो लोग मधुमेह से पीड़ित हैं उनके लिए इसका सेवन करना बहुत ही फायदेमंद है।
3. रात को सोने से पहले तेजपत्ते का इस्तेमाल करना अच्छी नींद के लिए बहुत फायदेमंद है. तेजपत्ते के तेल की कुछ बूंदों को पानी में मिलाकर पीने से अच्छी नींद आती है।
4. किडनी स्टोन और किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं के लिए तेजपत्ते का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। तेजपत्ते को उबालकर उस पानी को ठंडा करके पीने से किडनी स्टोन और किडनी से जुड़ी दूसरी समस्याओं में फायदा मिलता है।
5. दर्द में राहत के लिए भी तेजपत्ता एक कारगर उपाय है. तेजपत्ते के तेल से प्रभावित जगह पर मसाज करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा अगर तेज सिर दर्द हो रहा हो तो भी इसके तेल से मसाज करना अच्छा रहता है।

देराठू शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में महामस्तकाभिषेक

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। समीप ग्राम देराठू स्थित अतिशय तीर्थ क्षेत्र शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मूलनायक शांतिनाथ भगवान पर महामस्तकाभिषेक हुआ। प्रातःकाल यशील पुत्र परिक्षित सेठी के 8 वर्ष पूर्ण होने पर शांतिनाथ भगवान पर अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। सभी श्रावकों ने भी श्रीजी पर अभिषेक किया। पूनम चंद सेठी ने बताया कि निर्यापक मुनि सुधासागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से यशील सेठी ने शांतिनाथ भगवान पर प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्म मार्ग पर अग्रसर हुआ। यदि बचपन में ही धर्म के संस्कार दिए जाते हैं तो आगे भविष्य उज्जवल होगा। इस उपरांत शांतिनाथ मंडल विधान पर मंत्रोचार द्वारा कलशो की स्थापना कर विधान का शुभारंभ हुआ। शांतिनाथ भगवान की पूजा कर भक्ति- भाव से इंद्र- इंद्राणी नाचते हुए 120 अर्घ समर्पण किए। इस दौरान परिवारजनों ने यशील सेठी को गमले में पौधा भेट किया तथा यशील द्वारा आगंतुकों को भी गमले में पौधा वितरण किया गया। पर्यावरण शुद्ध रहै, घर-घर एक पौधा लगाओ का संदेश दिया। भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, नसीराबाद, देवली से कई पुरुष- महिलाएं समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लिया।

आचार्य श्री विवेक सागर जी का देवीपुरा जैन मंदिर में हुआ मंगल प्रवेश

आचार्य श्री के सानिध्य में हुआ श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया। स्थानीय नवलगढ़ रोड़ स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के ऐतिहासिक आयोजन को अपना पावन सानिध्य प्रदान कर प्रखर वक्ता, चर्या चूड़ामणि, सप्तम पट्टाधीश, राष्ट्रसंत 108 आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज ससंघ का सोमवार को प्रातः देवीपुरा जैन मंदिर हेतु मंगल विहार हुआ ।समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि विहार के दौरान चन्द्रप्रभु मन्दिर व आदिनाथ मन्दिर कमेटी सदस्यों सहित बड़ी संख्या में जजन श्रद्धालु सम्मिलित हुए । देवीपुरा स्थित श्री चन्द्रप्रभु भवन में आचार्य श्री के आगमन पर जैन समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया । प्रातः आचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए ।पदम पिराका व पंकज दुधवा ने बताया कि प्रवचनों से पूर्व दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट आदि मांगलिक क्रियाएं हुए , समस्त मांगलिक क्रियाओं का सौभाग्य महावीर प्रसाद नरेंद्र कुमार नीलेश कुमार छाबड़ा परिवार दुधवा को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री के मंगल प्रवास के दौरान प्रतिदिन होने वाले मांगलिक आयोजनों में प्रातः अभिषेक, आचार्य श्री के श्रीमुख से शांतिधारा, मंगल प्रवचन व आहारचर्या होगी। दोपहर स्वाध्याय व सायंकाल आनंद यात्रा होगी ।

आचार्य 108 श्री पुलक सागर जी गुरुदेव के 53 वे जन्मजयंती के अवसर पर पुलक पर्व का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन संत आचार्य 108 श्री पुलक सागर जी गुरुदेव के 53 वे जन्मजयंती के पावन अवसर पर देश भर में फैली पुलक परिवार की विभिन्न शाखाएं पुलक पर्व कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष विभिन्न सामाजिक, धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही हैं। इसी कड़ी में वर्ष 2003 से संचालित शाखा मानसरोवर, जयपुर द्वारा दिनांक 07 मई, 2023 को प्रातः 7.30 बजे दुगार्पुरा स्थित गौशाला में पशुओं को चारा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । तदुपरांत इसी दिन प्रातः 10 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर प्रांगण में अन्न वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जैन समाज के जरूरतमंद परिवारों, व कुछ ऐसे जैन मंदिर है जहां के व्यवस्था देखने वाले माली भाइयो को अपने परिवार संचालन के लायक पर्याप्त आय नही हो पाती है उनके परिवार के सहयोग हेतु कुल 51 गेंहू कट्टों का वितरण किया गया, पूज्य गुरुदेव के जन्म दिवस दिनांक 11 मई, 2023 को सायं 7.30 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्किट, मानसरोवर पर संचालित जैनागम पाठशाला में अध्ययन रत बालको को कॉपी व अन्य स्टेशनरी का वितरण व तत्पश्चात मंदिर जी मे पाठशाला के बच्चों का साथ पूज्य गुरुदेव को समर्पित भक्ति का कार्यक्रम रखा गया है।